कार्ट्स P. 6,3,117. 8,4,4 (N. eines Baumes?). gaṇa स्रज़्मारि zu P. 4,2, 80. 1) m. n. Такк. 3,5,11. Baumhöhle AK. 2,4,1,13. H. 1122. महार्ह्-कारिवटप इन्द्रियाङ्कर्कारट: MBn. 14, 1328. Suça. 1,133, 9. Milav. 60. Çik. 14. Rt. 1,26. Pańkat. 104,7. II,2. 211,11. तस्या (महाशस्याः) महत्कारिसमित 97,16. ज्ञामीकारर 23.25. Hir. 18,7. 20, 11. सर्प Pańkat. 53,4. Höhle überh.: व्हत्कारस्मुल्लासीन वासुद्वम् Mink. P. 8,230. कार्वितनिकारर् शर्द्ध-Так. 5,439. — 2) f. ई a) eine nackte Frau AK. 2,6, 1,17, Sch. (nach ÇKDa. Lesart des Textes und कारवी eine von einem Schol. aufgeführte Form). — b) ein Bein. der Durgå AK., Sch. ÇKDa. — Vgl. कारवी, कारवी, कारवी.

काटरावण (काटर + बन mit Dehnung des Auslauts) n. P. 6, 3, 117. 8, 4, 4. Hier ist काटर wohl als N. eines Baumes aufzufassen. Vgl. काटर. काटबी f. 1) eine nachte Frau AK. 2, 6, 1, 17. H. 534, v. l. — 2) eine Form der Durgå (in nachter Gestalt) Durk. im ÇKDR. HARIV. LANGL. I, 216. 249. VP. 595. — Vgl. काटरी, काटबी, काटबी.

काराय, कारावत denom. von कारा P. 3,1,17, Vartt. 1.

कारि (Un. 4,119) und कारी (von 1. क्र्) f. 1) das gekrümmte Ende des Bogens, der Krallen u. s. w.; äusserste Spitze überh. AK. 2, 8, 2, 61. 3, 4, 14, 70. 9, 40. H. 1013. an. 2, 86. Med. t. 9. धन्कात्वा MBs. 1, 195. 1675. 3, 1598. 11701. BENF. Chr. 29, 27. Pankat. 120, 23. 121, 1.2. Ragh. 11,81. Вилс. Р. 1,48,30. उन्तिकारिएन्ड: (Hörner des Mondes) Макки. 44, 22. Çîk. Ch. 62, 8. Kumâras. 2, 26. श्येननवायकोटि Ragh. 7, 43. Prab. 67, 2. शाखा नवाङ्करकोरयः Вилать. 1,33. तृगाकारि Млак. Р. 24,7. तता मां लघुकाष्टाधिद्वर्षे दत्तीरूभयते। गृक्तिकारिविभागं तत्र सर्गास निनयतम् Райкат. 76, 19. कर्परकात्या पारितललारः 217,22. श्रङ्गदकारि Васн. 6, 14. शितकारिना क्लिशेन 9,12. सितर्त्तकाव्या Buis. P. 3,13,32. स्तनकारि RAGH. 8, 36. खिट्टाइकोटी Çantiç. 1,27. - 2) äusserste Spitze, der höchste Grad, = उत्कर्ष, प्रकर्ष AK. 3,4,9,40. H. an. Med. प्रमाणकात्यां (?) वि-श्चस्तं तथा मुप्तं वृकादरम् Мвн. 3,542. 1,2241. (मित्रे) परमस्नेक्कारिमा-मित Pankat. 76,8. - 3) कारिद्य die zwei Endpunkte, die zwei Alternativen: कार्यमकार्य चेति कारिद्यम् Sch. zu KAP. 1,134. - 4) die äusserste Zahl im ältern Zahlensystem (vgl. Albyrouny bei Reinaud, Mém. sur l'Inde 302), zehn Millionen AK. 3,6,3,24. Taik. 3,3,93. H. 873. H. ап. Мвр. Sidde. К. 280, b, 11. शतं शतसङ्ख्राणां कारिमाङ्कर्मनीषिणाः R. 6,4,56. यानिकारिसक्स्रिप् M. 6,63. Jásín. 3,103. MBn. 3,5063. 13,2677. 14, 2663. Arc. 5, 11. N. (BOPP) 20, 10. R. 1,13.52. 45,34. 4,37,24.25. VIÇV. 3, 11.20. PANKAT. III, 186. RAGH. 12,82. RAGA-TAR. 4,189. LALIT. 13.67. H. 58.127.129. कारिकाम Grujasamga. 1,8. AV. Pariç. in Verz. d. B. H. 91 (31). Bhavishjott. P. ebend. 136 (138). - 5) the complement of an arc to 90°. - 6) the side of a right angled triangle Kalas. 361 bei HAUGHTON. - 7) N. einer Pflanze (s. कारिवर्षा) AK. 2, 4, 4, 21, Sch. ÇAB-DAR. im ÇKDR. — Vgl. कालकारि, तुलाकारि

कारिक (von कारि) 1) adj. f. म्रा die äusserste Spitze von Etwas bildend, am Ende eines comp.: मानुषकारिका eine Prinzessin Pankat. 44, 25. Benfey: ein Wurm von einem Menschen. — 2) m. a) (sc. माडूका) eine Art Frosch Suga. 2,290,7. — b) ein best. Insect, Coccinelle (vgl. कारिका (Aradh. im ÇKDR. — c) N. pr. eines Fürstensohnes (s. कारिकास्प) MBB. 3, 15586.

कारिकार्ष (के। ° + कार्ष) N. pr. eines Mannes (?) Buan. Intr. 46, N. कारिकास्य (के।रिक + श्रास्य) m. N. pr. eines Sohnes des Königs Suratha MBH. 3,15593. 15582. 15587 (v. l. DRAUP. 1, 12. 17. 2.6: के।रिका- एय). — Vgl. के।रिका 2, c.

कारिजित (का॰ + जित्) m. ein Besieger von zehn Millionen, ein Bein. des Dichters Kälidäsa Trik. 2,7,26.

कारिज्या (का॰ → ज्या) f. the cosine of an angle, in a right angled triangle Wils.

कारितीर्थ (का॰ + ती॰) m. N. pr. eines Tirtha MBs. 3,4091.5087. कारिपात्र (का॰ + पात्र) n. Steuerruder H. 879.

कारिपाल m. Vet. 13, 11. fgg. wohl nur fehlerhaft für केष्ट्रपाल (s. o. कार).

कारिमत् (von कारि) adj. mit einer Spitze versehen: कुलिशं मधान:

कारिर (wie eben) m. 1) die hornartig auf dem Scheitel aufgebundenen Haare (तरा) Trik. 2,6,32. Vgl. कारिर. — 2) Ichneumon. — 3) Coccinelle (vgl. कारिका. — 4) ein Bein. Indra's H. an. 3,545. Med. r. 145. कारिका (का॰ + व॰) 1) n. N. pr. einer Stadt an der Koromandel-Küste Çabdar. im ÇKDa. Vgl. कारिका. — 2) f. हा N. einer Pflanze, Medicago esculenta Rottl. Roxb. (Trigonella corniculata Lin.), AK. 2,4,4,21.

कारिविधिन् (का॰ + वे॰) adj. die äusserste Spitze treffend so v. a. das Schwierigste zu vollbringen im Stande Riga-Tar. 1, 110.

कारिश (von कारि) m. 1) Egge AK. 2,9,12. H. 893. — 2) N. pr. eines Naga MBH. 1,2146.

कारिशम् (wie eben) adv. in einer Anzahl von zehn Millionen: कारि-शक्येव रत्नानि तस्या गात्रे न्यवेशयत् Suno. 3,14. R. 4,35,31. Ragu. 2,49. Buig. P. 3,11,40.

कारिम्री (का॰ + म्री) f. ein Bein. der Durgå H. ç. 54.

कोटिर (von केरिट) m. 1) = केरिर 1. ÇKDR. und Wils. angeblich nach Trik. Naish. 11, 18 und Bala beim Sch. zu d. St. — 2) Diadem H. 651.

कारीवर्ष (का॰ + वर्ष) 1) n. = कारिवर्ष, N. pr. einer Stadt an der Koromandel-Küste (देवीकार, वाणपुर) Такк. 2,1,17. H. 977. Vgl. कार्-वीपुर. - 2) f. म्रा = कारिवर्षा ÇABDAR. im ÇKDR.

कारीश m. = कारिश 1. Bhar. zu AK. 2,9,12. ÇKDa. H. 893, Sch.

कार् n. (nach dem Sch. auch m.) Festung H. 973. पुरकार्पालपुरुषा: PANKAT. 237,15. कार्पाल m. H. c. 141. VJUTP. 93. कार्राजन (sic) VJUTP. 94. काउ्राज (sic) LALIT. 130. कार्रायट्ट्र्र्ट्रा: AK. 3, 6, ₹, 18 in einem Kapitel, wo die Wörter männlichen Geschlechts ohne Angabe der Bed. zusammengestellt werden, lösen Einige in कार् - ऋर्घर् - ॡर्, Andere in कार्रा - घट् - ॡर् auf. — Das Wort ist viell. in का + घर् zu zerlegen.

कार्माञ्चक s. Burn. Intr. 199, N. 1.

कार्वो 1) f. eine nackte Frau Çaboa. im ÇKDa. रिग्वासा (nackt) रेव-वचनात्प्रातिष्ठर्य कार्वो ॥ लम्बा नाम मक्भागा भागा रेव्यान्त्याष्टमः। Hariv. 10721. Riáa-Tar. 3, 439. — 2) ein Bein. der Durga Tark. 1,1, 53. — Das Wort ist viell. in का + म्रार्त्व (रृ = र्त wie in कुर् = कर्त्) die monatliche Reinigung zu zerlegen und würde demnach urspr. be-